(अपर डिवीजन क्लर्क) के रूप में और कुछ उच्च श्रेणी लिपिकों को निम्न श्रेणी लिपिक (लोअर डिवीजन क्लर्क) के रूप में परिवर्तित कर दिया गया ।

गोरखपुर-इलाहाबाद सेक्शन पर रेल दुर्घटना

5010. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री निहाल सिंह :

क्या रेलवे मंत्री 9 जून, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2001 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 4 दिसम्बर, 1966 को गोरखपुर-इलाहाबाद सैक्शन पर हुई रेल दुर्घटना के लिये उत्तरदायी ठहराये गये अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्सबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ग) यदि नहीं, तो इस में और कितना समय लगने की संभावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी, नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

(ग) इस दुर्घटना के लिये जिम्मेदार ठहराये गये कर्मचारियों को निलम्बित कर दिया गया है और इस सम्बन्ध में अनुशासन एवं अपील नियमों के अन्तर्गत जांच हो रही है ।

मथुरा जंक्शन के रेलवे टिकट-परीक्षक

5011. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री निहाल सिंह :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि मथुरा जंक्शन के टिकट-परीक्षकों ने बड़े पैमाने पर अनधिकृत विक्रेताओं द्वारा खाद्य पदार्थ बेचे जाने के बारे में जिस के परिणामस्वरुप रेलवे भोजन-व्यवस्था विभाग का प्रतिमास हजारों रुपये की हानि होती है, रेलवे बोर्ड, रेलवे मंत्री, राज्य के मुख्य मंत्री तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को कोई शिकायत भेजी है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस अनधिकृत बिक्री को रोकने के लिये स्टेशन मास्टर और रेलवे सुरक्षा दल द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है और जब टिकट-परीक्षकों ने ऐसा करने का प्रयास किया, तो उन की हत्या करने का प्रयत्न किया गया; और

(ग) इस शिकायत पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) मध्य रेलवे, झांसी के मण्डल अधीक्षक के नाम मथुरा जंक्शन के टिकट कलक्टरों का एक पत्र प्राप्त हुआ है ।

(ख) और (ग). इस मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है ।